# अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 23.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

## नव पदार्थ–जीव-अजीव–40

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

**जीव–**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) समकित का क्या अर्थ है?

(ख) विज्ञ से क्या अभिप्राय है?

(ग) जीव को नायक क्यों कहा गया है?

(घ) जीव शाश्वत और अशाश्वत कैसे है?

(ङ) भाव किसे कहते हैं?

**अजीव–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(च) द्रव्य किसे कहते हैं?

(छ) रूपी द्रव्य किसे कहते हैं?

(ज) जीव और पुद्गल की गति लोक के बादर क्यों नहीं हो सकती?

(झ) अखण्ड द्रव्य होते हुए भी धर्म, अधर्म व आकाश के विभाग कैसे हो सकते हैं?

प्र. 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **जीव**–द्रव्य जीव क्या भाव? जीव किसे कहते हैं ***अथवा*** सावद्य व निरवद्य कार्य कौन-कौन? इन्हें भाव जीव क्यों कहा है?

(ख) **अजीव–**आकाश को गमन व स्थिति का कारण क्यों नहीं माना गया ***अथवा*** पुद्गल की गतिशीलता को सिद्ध करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) **जीव–**सिद्ध करें कि आत्मा-शरीर व इन्द्रिय से भिन्न एक स्वतंत्र द्रव्य है। ***अथवा*** द्रव्य जीव को समझाएं।

(ख) **अजीव–**पुद्गल के जघन्य व उत्कृष्ट स्कंध का क्षेत्र प्रमाण कितना है? ***अथवा*** परमाणु की विशेषताओं का वर्णन करें।

## अवबोध–(जीव से संवर)–30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर लिखें– 7

(क) क्या संवर चारों गतियों में होता है?

(ख) पैशुन्य किसे कहा जाता है?

(ग) पाप कर्म में चार स्पर्श कौन से हैं?

(घ) ओज आहार किसे कहते हैं?

(ङ) लोक में जीव ज्यादा है या अजीव?

(च) क्या लोकाकाश का कोई भाग जीव रहित है?

(छ) क्या जीव और आत्मा एक है?

(ज) वर्गणा में चतुःस्पर्शी कितनी है और अष्टस्पर्शी कितनी?

(झ) क्या चतुःस्पर्शी भाषा वर्गणा सुनी जा सकती है?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) क्या सभी जीवों का पर्याप्त होना जरूरी है?

(ख) मिथ्यात्व के कितने प्रकार हैं?

(ग) अशुभ योग तो सातवें गुणस्थान में रूक जाता है फिर अयोग संवर चौदहवें गुणस्थान में ही क्यों?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) उत्पन्न होने वाला जीव ओज आहार के सहारे ही बढ़ता है या अन्य आहार भी ग्रहण करता है?

(ख) क्या सभी सम्यक्त्वी मनुष्यों के संवर होता है? तथा तिर्यंचों के सम्यक्त्व प्राप्ति में कौन निमित्त हो सकते हैं?

(ग) प्राणातिपात विरमण संवर आदि पन्द्रह भेद किसके अन्तर्गत आते हैं?

(घ) पुण्य की स्थिति एक समय की मानी गई है, फिर पन्द्रह करोड़ा करोड़ सागरोपम स्थिति की संगति कैसे बैठेगी? तथा पुण्य बंध की इच्छा करनी चाहिए या नहीं?

## अमृत-कलश भाग–3 (छठा, सातवां चषक तप को छोड़कर)–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) अभवी सम्यक्त्वी होता है या मिथ्यात्वी?

(ख) क्या सिद्ध पुनः संसार में आते हैं?

(ग) अंग उपांग किसे कहते हैं?

(घ) अर्हत वंदना का प्रारंभ कब और कहां हुआ?

(ङ) णमो लोए सव्व साहूणं का ध्यान किस केन्द्र पर किस रंग के साथ किया जाता है?

(च) धर्म मंगल किस दृष्टि से है?

(छ) निरपेक्ष दोष किसे कहते हैं?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो तीन वाक्य में लिखें– 10

(क) सुलभ बोधि श्रावक किसे कहते हैं?

(ख) णम्मोकार मंत्र के जप का क्या उद्देश्य होना चाहिए?

(ग) वंदना किनको की जाती है?

(घ) नमस्कार मंत्र के प्रत्येक पद के पहले ॐ ह्रीं श्रीं लगाया जाता है। इसका क्या तात्पर्य है?

(ङ) सम्यक्त्व प्राप्ति के बाद जीव संसार में कब तक परिभ्रमण कर सकता है?

(च) क्या केवलज्ञान प्राप्त करने वाले सभी तीर्थंकर कहलाते हैं?

(छ) सिद्ध क्या करते हैं?

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर सविस्तार लिखें– 15

(क) अठारह पापों से बचने के लिए सामायिक में क्या करना चाहिए?

(ख) आचार्य के 36 गुण कौन-कौन से हैं?

(ग) वर्तमान में सच्चे साधु कौन हैं?

(घ) अव्यवहार राशि से क्या तात्पर्य है? इनमें कौन से जीव आते हैं?

(ङ) क्या श्रावक स्थावर जीवों की हिंसा से बच सकता है?